B - III
L - 24
Economy

नीश बैंक (Niche Banks)

समूह विशेष की आवश्यकताओं को पूरा करने वाले बैंक।

- Payment Banks — पेमेंट बैंक
- Small Finance Banks — लघु वित्तीय बैंक

नचिकेत मोर समिति की सिफारिशों पर लाये गए।

Note :-

ये बैंक Horizontally differentiated banking structure को प्रदर्शित करते हैं।

प्रधानमंत्री जन धन योजना : 2014

इसे Financial Inclusion Mission भी कहते हैं

(i) शून्य बैलेंस बैंक अकाउंट
(ii) Rupay Card
(iii) दुर्घटना बीमा - 2 लाख तक।
(iv) Overdraft facility - ₹ 10000 तक।

KGS IAS
KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning Platform
KHAN SIR

(v) DBT को Link करवाया जा सकता है

(vi) Pension & Insurance को Link करवाया जा सकता है।

(vii) Remittance of funds

BC Model of Banking : 2006

↳ Business Correspondent

↓

बैंक मित्र के माध्यम से बैंकिंग सेवाएं उपलब्ध करवाना।

↓

कम जनसंख्या वाले गाँवो में।

Note:- Brick & Mortar Model की तुलना में कम लागत वाला Model।

1. NPA का मुद्दा
2. Bad bank
3. Tokenisation
4. The RBI Retail Direct
5. Virtual Currencies
6. Deposit Insurance
7

KGS IAS
KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning Platform

7. CBDC

8. NBFCs

9. भारत में बैंकिंग संरचना आदि

↓

सन्दर्भ : Study Material

KGS IAS
KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning Platform
KHAN SIR

वित्त बाजार (Financial Market)

प्रस्तावना :-

वित्त बाजार मे मुख्य रूप से धन का लेन देन होता है

वित्त बाजार से देश में बचत, निवेश, पूँजी निर्माण, GDP, रोजगार आदि को बढ़ावा मिलता है

इस प्रकार यह कहा जा सकता है कि एक देश का आर्थिक विकास वित्त बाजार पर निर्णायक रूप से निर्भर करता है

KGS IAS
KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning Platform
KHAN SIR

भारत में वित्त बाजार की संरचना

- मुद्रा बाजार (Money Market)
  - ↓
  - अल्प काल के लिए धन का लेन-देन।
  - ↓
  - एक वर्ष से अधिक नहीं।
- पूँजी बाजार (Capital Market)
  - ↓
  - दीर्घ काल के लिए धन का लेन-देन
  - ↓
  - एक वर्ष से अधिक के लिए।

भारत में मुद्रा बाजार की संरचना

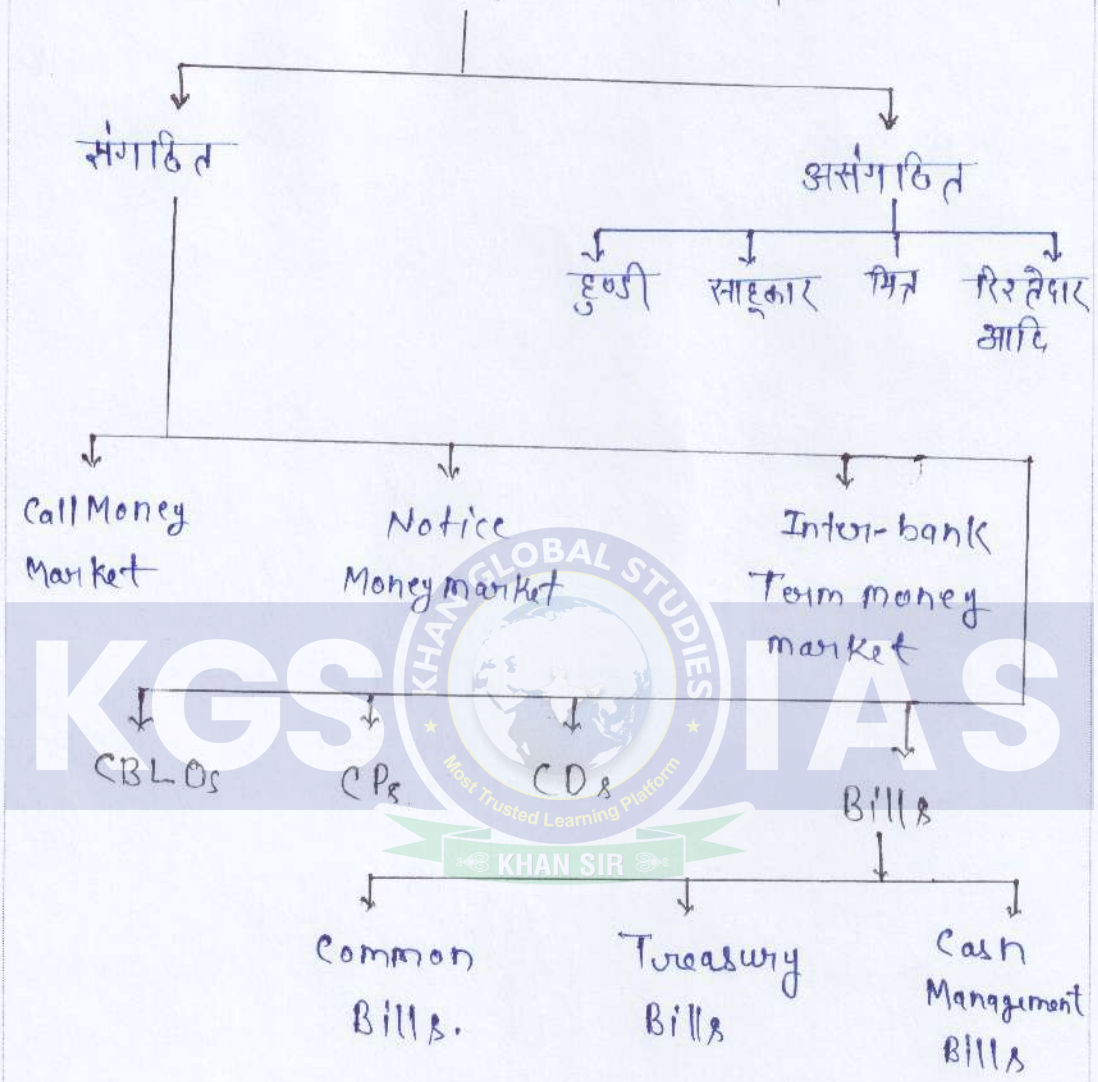

KGS IAS
KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning Platform
KHAN SIR

Note :-

हुण्डियों का वर्तमान में प्रयोग नहीं होता है। पहले इनको धन का लेन-देन करने या उसका स्थानांतरण करने के लिए प्रयोग किया जाता था।

ये पत्रनुमा होती थी जिसमें किसी व्यक्ति को यह आग्रह किया जाता था कि वह वाहक को एक विशेष राशी

का भुगतान कर दे।

नोट:-

Call money market बैंकों के बीच में चलने वाला ऐसा बाजार होता है जिसमें Overnight (एक दिन) के लिए धन का लेन देन किया जाता है।

नोट!-

Notice Money market में बैंक एक दिन से अधिक लेकिन 14 दिन तक के लिए धन का लेन देन करते हैं।

KGS IAS
KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning Platform
KHAN SIR

Note!-

Inter-bank Term money market में बैंक 14 दिन से अधिक लेकिन एक वर्ष तक के लिए धन का लेन देन करते हैं।

नोट!-

CBLOs (collateralised Borrowing & Lending obligation) बैंको द्वारा निकाले जाते हैं इनके माध्यम से एक दिन से लेकर एक वर्ष तक के लिए धन उधार लिया जा सकता है।

नोट :- CPs (Commercial Papers) :- यह निम्न संस्थानों के द्वारा निकाले जा सकते हैं, उच्च प्रतिष्ठा वाली कम्पनियाँ, अखिल भारतीय स्तर के वित्तीय संस्थान (जैसे NABARD, NHB, SIDBI आदि), प्राथमिक डीलर्स। ये unsecured होते है और Discount पर निकाले जाते हैं।

इनकी समयावधि सात दिन से लेकर 1 वर्ष तक की हो सकती है, हालांकि वित्तीय संस्थानों के लिए इनकी अधिकतम समयावधि तीन वर्षों तक हो सकती है।

KGS IAS
KHAN GLOBAL STUDIES
Trusted Learning Platform
KHAN SIR